गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय

पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

श्वान की चिकित्सा एवं देख-रेख पर अखिल भारतीय संगोष्ठी आज से

पंतनगर। ०८ फरवरी २०१७। पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के डा. रतन सिंह सभागार में कल (आज) ०९ फरवरी से ११ फरवरी, २०१७ तक एक अखिल भारतीय श्वान (कुत्तों) की चिकित्सा, उचित देख-रेख एवं उनसे सम्बन्धित अन्य सभी विषयों पर संगोष्ठी होने जा रही है। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. पूर्णेन्दू विश्वास होंगे। सत्र की अध्यक्षता पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, करेंगे। सेना के रिमाउन्ट वेटेरिनेरी कार्प के डा. जे.के. श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

संगोष्ठी में बंगलादेश के ५८ वैज्ञानिक एवं विद्यार्थियों का एक विशेष प्रतिनिधि मण्डल भी भाग लेने जा रहा है। बंगलादेश का प्रतिनिधि मण्डल भारत में श्वान सम्बन्धित वैज्ञानिक विकास को समझने हेतु उपस्थित हो रहा है। साथ ही इस संगोष्ठी में देश के कुल २२ राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के लगभग २५० वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ भाग लेने जा रहे हैं। देश के राज्यों में केरल एवं कर्नाटक का प्रतिनिधित्व सबसे बड़ा है। इस संगोष्ठी में कश्मीर से कन्याकुमारी तथा त्रिपुरा से गुजरात तक के सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व होने जा रहा है। इस तीन-दिवसीय आयोजन में कुल ११ अधिवेशन होंगे। उद्घाटन के अवसर पर पिछले वर्ष में उक्त विषय पर किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे। संगोष्ठी का आयोजन पंतनगर विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. जी.के. सिंह, के नेतृत्व में हो रहा है।

कृषि परिस्थितिकी पर प्रशिक्षण आज से प्रारम्भ

पंतनगर। ०८ फरवरी २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द द्वारा कल (आज) से एक २१-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है, जिसका विषय 'स्थिरता के लिए परिस्थितिक कृषि' है। प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, द्वारा कृषि महाविद्यालय के सभागार में प्रातः १०:३० बजे किया जायेगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित इस प्रशिक्षण में तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्यों में स्थित विभिन्न संस्थानों से २४ वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे। इस केन्द्र द्वारा आयोजित किया जाने वाला यह ३५वां प्रशिक्षण कार्यक्रम है।